**Fourteenth Loksabha**

**Session : 9**
**Date : 07-12-2006**
**Participants : Khanna Shri Avinash Rai,Shukla Smt. Karuna,Joshi Shri Prahlad,Virendra Kumar Shri ,Singh Shri Rakesh,Koli Shri Ramswaroop,Aditya Nath Shri ,Singh Shri Ganesh,Moghe Shri Krishna Murari**

an>

Title: Regarding excesses being committed on Hindus in Bhutan, Kazakhistan, Afghanistan and other parts of the world.

**योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर):** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान विश्व के तमाम देशों में, वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचारों की ओर आकर्ति करना चाहता हूँ।

MR. SPEAKER: Let there be silence in the House, please.

… (*Interruptions*)

**योगी आदित्यनाथ :** अध्यक्ष महोदय,कुछ दिन पहले कजाकस्तान में इस्कॉन के मंदिर तोड़े गए। इस मामले को लेकर ब्रिटेन की संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने इस सम्बन्ध में कजाकस्तान के राट्रपति को वहां के हिन्दुओं की भा वनाओं से अवगत भी कराया था। लेकिन दुखद बात यह है कि भारत की संसद या भारत सरकार की ओर से इस पर कोई प्र ातिक्रिया व्यक्त नहीं की गयी है। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this going on? Let there be silence in the House.

… (*Interruptions*)

**योगी आदित्यनाथ :** अध्यक्ष महोदय, दूसरा मामला भूटान का है। भूटान भारत का पड़ोसी मित्र राट्र है और भूटान के विकास में भारत बहुत बड़ा सहयोगी रहा है, …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Member, please do not cross between the Chair and the Member who is speaking.

**योगी आदित्यनाथ :** अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार की स्थिति भूटान में है, वहां पिछले 12-15 वर्ों में लगभग डेढ़ लाख भारत और नेपाल मूल के हिन्दू निकाले गए हैं। उन सभी को यूएनओ के शरणार्थी शिविरों में रखा गया है।इस समय बड़ी तेजी से उनका मतान्तरण हो रहा है। ऐसी खबरें आई हैं कि अमेरिका और कनाडा ने उन सभी को अपने देशों में बसाने की एक योजना तैयार की है। भारत सरकार की ओर से इस घटना पर कोई भी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गयी है।

महोदय, तीसरी घटना अफगानिस्तान से सम्बन्धित है। यह तीनों घटनाएं एक साथ जुड़ी हुई हैं। यह खबर 24 नवंबर के दैनिक जागरण समाचार पत्र प्रकाशित हुई है। जब अमेरिका ने तालिबान विद्रोहियों को समाप्त किया, तो भारत ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में बहुत योगदान दिया और यह सहयोग आज भी जारी है। लेकिन वहां भारतीय मूल के नागरिकों के साथ, वहां के हिन्दुओं और सिखों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हो रहा है वह अमानवीय है। वहां के नागरिकों ने यह पीड़ा व्यक्त की है कि सड़कों पर निकलना उनके लिए दूभर हो गया है। उनके घर और व्यापार पर तालिबानी गुण्डों के द्वारा जबरन कब्जा कर लिया गया है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन सभी मामलों में भारत सरकार ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। महोदय, मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is a matter of Afghanistan. What can we do?

… (*Interruptions*)

**प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) :** अध्यक्ष महोदय, कजाकस्तान की घटना के बारे में जिस प्रकार का रिजोल्युशन ब्रिटेन की संसद ने पारित किया है।…(व्यवधान) इस पर सरकार की ओर से रिस्पांस आना चाहिए।…(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आपकी पार्टी के एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं। He has mentioned it.

…(व्यवधान)

[R16]MR. SPEAKER: Your Party Member is speaking. I have allowed him.

… (*Interruptions*)

**योगी आदित्यनाथ :** अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार इसे स्पट करे और कजाकस्तान, भूटान और अफगानिस्तान के मामलों में जिस प्रकार से ब्रिटेन की संसद ने प्रस्ताव पारित करके आपत्ति व्यक्त की है, उसी प्रकार भारत की संसद भी एक प्रस्ताव पारित करके आपत्ति व्यक्त करे।

महोदय, अगर भारतीय मूल के नागरिकों और हिन्दू अल्पसंख्यकों पर इस प्रकार के अत्याचार होंगे तो हिन्दू कहां जाएंगे?

MR. SPEAKER: Thank you, Shri Aditya Nath Yogi for your kind cooperation.

निम्नलिखित माननीय सदस्यों ने स्वयं को इस विाय के साथ सम्बद्ध किया है : श्री गणेश सिंह, श्री राकेश सिंह, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्रीमती करूणा शुक्ला, श्री प्रह्लाद जोशी, श्री अविनाश राय खन्ना, श्री कृणमुरारी मोघे, श्री रामस्वरूप कोली।

…(व्यवधान)

**प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा :** अध्यक्ष महोदय,इसके बारे में सरकार का रिस्पांस आना चाहिए।…(व्यवधान) Sir, the Government can give its reaction.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Not now.